जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

30 जनवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

भारत पर्व पर काठ-कुनी पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया के आर्किटेक्चर के छात्रों का काम सुर्खियों में

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के वास्तुकला एवं एकिस्टिक्स संकाय के बी.आर्क के द्वितीय वर्ष के छात्रों ने दिल्ली के लाल किले में चल रहे भारत पर्व समारोह के दौरान काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर मंडप में एक प्रतिष्ठित केंद्र-मंच प्रदर्शन प्राप्त किया है। भीमाकाली मंदिर, सराहन की काठ-कुनी वास्तुकला पर उनके व्यापक अध्ययन ने ज्यादा ध्यान एवं उत्साह आकर्षित किया है।

यह परियोजना हिमाचल के सांगला, सराहन एवं चितकुल क्षेत्रों में स्थानीय वास्तुकला का दस्तावेजीकरण करती है और निर्मित पर्यावरण पर स्थानीय सामग्रियों, जलवायु तथा सांस्कृतिक प्रथाओं के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करती है। छात्रों ने गाँव के लेआउट, निर्माण तकनीकों एवं छत के प्रकार, दरवाजे, खिड़कियाँ तथा अंदरूनी हिस्सों जैसे वास्तुशिल्प तत्वों का गहन अध्ययन किया। उन्होंने स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर पारंपरिक निर्माण प्रथाओं के सांस्कृतिक महत्व के बारे में भी जानकारी प्राप्त की है ।

डॉ. मोहम्मद साकिब, डॉ. तैयबा मुनव्वर, डॉ. अरशद अमीन, वास्तुविद मोहम्मद आमिर खान और वास्तुविद बुशरा फातिमा ने छात्रों का मार्गदर्शन किया । यह उपलब्धि छात्रों के समर्पण को दर्शाती है और भावी पीढ़ियों के लिए भारत की स्थापत्य विरासत को संरक्षित करने में योगदान देती है।

यह मान्यता छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए गर्व का विषय है जो भारत की स्थापत्य विरासत को दस्तावेजित करने एवं सम्मानित करने तथा भारत पर्व के राष्ट्रीय मंच पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया का प्रतिनिधित्व करने के उनके प्रयासों का जश्न मनाता है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया